NCDEX पर बंद हो सकती है शुगर ट्रेडिंग

[राम सहगल & माधवी सैली | मुंबई]

फ्यूचर्स मार्केट में कई लोगों के लिए शुगर कड़वी साबित हो रही है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील मानी जाने वाली कमोडिटी शुगर के फ्यूचर्स ट्रेड के स्पॉट कीमतों पर असर को लेकर चिंतित सरकार के भीतर एक वर्ग ने हाल में ही इसकी डी-लिस्टिंग पर चर्चा की है। इस घटनाक्रम से वाकिफ एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

उन्होंने बताया, 'मूल चिंता यह है कि फ्यूचर्स मार्केट में कीमतों में उतार-चढ़ाव से शुगर की स्पॉट कीमतों पर बड़ा असर पड़ रहा है। एक्सचेंज पर शुगर में ट्रेडिंग वॉल्यूम कम है। इसलिए यहां दाम को आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। इससे स्पॉट मार्केट में भी शुगर प्राइसेज पर असर होगा। अगर चीनी की एक्स-मिल स्पॉट प्राइस 35 से 37 रुपये प्रति किलो के ऊपर हो जाए, तो इसकी ट्रेडिंग सस्पेंड की जा सकती है।' ट्रेड बॉडी इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के मुताबिक, देश के दो बड़े गन्ना उत्पादक राज्यों महाराष्ट्र में फिलहाल एक्स-मिल स्पॉट कीमतें 33.5 रुपये पर हैं, जबकि यूपी में यह 35.5 रुपये बनी हुई है। 9 अगस्त को दिल्ली में रिटेल प्राइस 42 रुपये प्रति किलो था, जो पिछले साल की इसी अवधि से 45 फीसदी ज्यादा है। इस दौरान मुंबई में चीनी की कीमत 48 फीसदी बढ़कर 40 रुपये प्रति किलो हो गई है।

फ्यूचर्स मार्केट में कीमतों में उतार-चढ़ाव से शुगर की स्पॉट कीमतों पर बड़ा असर पड़ रहा है

कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) में शुगर का वेटेज 1.13 फीसदी है। ऐसे में मुंबई में दाम 48 पर्सेंट बढ़ने पर सीपीआई इन्फ्लेशन पर असर 0.54 फीसदी होगा। केयर रेटिंग्स के चीफ इकनॉमिस्ट मदन सबनवीस के मुताबिक, 'यह बड़ी बढ़ोतरी है क्योंकि रिटेल इन्फ्लेशन को कंट्रोल में रखना हमारी मॉनेटरी पॉलिसी का हिस्सा है।'

इसे देखते हुए देश के सबसे बड़े फार्म फ्यूचर्स एक्सचेंज एनसीडीईएक्स ने मार्केट रेगुलेटर सेबी के साथ विचार-विमर्श कर शुगर फ्यूचर्स पर मार्जिन काफी बढ़ा दिया है। शुगर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट खरीदने वालों को गुरुवार से ट्रेड करने के लिए 50 फीसदी मार्जिन मनी देनी पड़ रही है, जो पहले 20 फीसदी थी। जो लोग चीनी की कीमत गिरने पर दांव लगा रहे हैं, उन्हें 15 फीसदी मार्जिन रखना होगा। इस इजाफे के बारे में एनसीडीईएक्स के एक अधिकारी ने कहा, 'एहतियात बरतते हुए हमने ये उपाय किए हैं।'

ब्लूमबर्ग के डेटा के मुताबिक, बुधवार को इंट्रा डे में तीनों शुगर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स में वॉल्यूम केवल 13,220 टन था। इसके उलट नोडल ट्रेड बॉडी इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने मौजूदा सीजन का आउटपुट 251 लाख टन रखा है। अधिकारी ने बताया, 'चूंकि शुगर में अधिक ट्रेडिंग नहीं होती, ऐसे में कुछ ट्रेडर्स ह दाम में असामान्य उतार-चढ़ाव ला सकते हैं। रेगुलेटरी अथॉरिटीज भी इसे देख रही हैं। इसी वजह से मार्जिन बढ़ाया गया है। यह मुमकिन है कि अगर ऊंचे मार्जिन भी सट्टेबाजों को रोकने में नाकाम रहते हैं तो शुगर फ्यूचर्स भी चना फ्यूचर्स की राह पर जा सकता है।'